Dainik Bhaskar (Indore), 29th August 2020, Page-6

भास्कराचार्य की गणितीय रचना लीलावती सहित वैज्ञानिक ग्रंथों को संस्कृत में पढ़ा रहा आईआईटी

15 दिन के कोर्स में दुनियाभर के साढ़े सात सौ से ज्यादा लोग हो रहे शामिल

भास्कर संवाददाता | इंदौर

महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने बेटी के नाम पर गणितीय ग्रंथ लीलावती की रचना की थी। इसी ग्रंथ लीलावती सहित भारत के पुरातन वैज्ञानिक ग्रंथों को मूल भाषा में पढ़ने और मूल रूप में समझने के लिए आईआईटी इंदौर ने 15 दिन का एक विशेष कोर्स शुरू किया है। संस्कृत भारती मध्य क्षेत्रम सहित आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी इंदौर के विषय विशेषज्ञ इस कोर्स के तहत लोगों को भारत के पुरातन साहित्य का ज्ञान संस्कृत में दे रहे हैं। ऑनलाइन चल रहे इस कोर्स में देश-दुनिया के 750 से ज्यादा लोग शामिल हो रहे हैं। कोर्स को-ऑर्डिनेटर प्रोफेसर गंती एस. मूर्ति ने बताया जल संसाधनों का स्थायी प्रबंधन, कृषि, गणित, धातु, खगोल, चिकित्सा और पादप विज्ञान सहित अर्थशास्त्र जैसे भारत के अधिकांश पुरातन ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं। इस वैज्ञानिक विरासत को समझने, संरक्षित करने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संस्कृत समझना जरूरी है।

पहले भाग में उन लोगों को संस्कृत समझने और संवादों को समझने की जानकारी दी जाएगी। दूसरे भाग में आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर के. रामसुब्रमण्यम और आईआईटी बॉम्बे के ही डॉ. के. महेश इसके बारे में चर्चा कर रहे हैं। संस्कार भारती के प्रमोद पंडित, मयूरी फड़के और प्रवेश वैष्णव कोर्स के पहले भाग के इंस्ट्रक्टर हैं।